2688 बीजाक्षर मंत्र युक्त

भक्तामर विधान

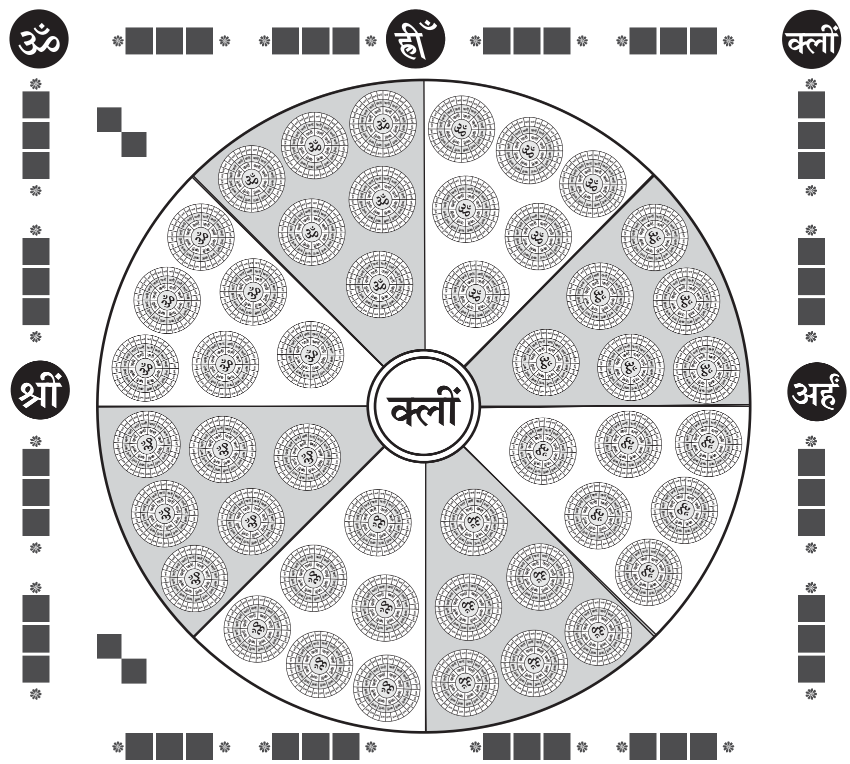

मध्य में – क्लीं
प्रत्येक कोष्ठ में 6 गोले
प्रत्येक गोले में 8, 16, 32 अर्घ चढायें

2688 बीजाक्षर मंत्र युक्त
भक्तामर विधान

पूर्व पीठिका

श्रीमन्त-मानम्य जिनेन्द्रदेवं, परं पवित्रं वृषभं गणेशं।
स्याद्वादवारान्निधिचन्द्रबिम्बं, भक्तामरस्यार्चनमात्मसिद्ध्यै॥
वक्ष्ये सुवीरं करुणार्णवं च, श्रीभूषणं केवलज्ञानरूपं।
अलक्ष्यलक्ष्यैः प्रणमाम्यलंवै, भक्तामरं सिद्धवधूप्रियं वा॥ १ ॥
आदौ भव्यजनेनैवं, गत्वा चैत्यालयम्प्रति।
नन्तब्यः परया भक्त्या, सर्वज्ञः शुद्धलक्षणः॥ २ ॥
ततः सद्गुरु-मानम्य, विनयानत-चेतसा।
प्रार्थना वा कार्या भव्यैः पूजायै भावशुद्धितः॥ ३ ॥
दीयतां सुगुरो! आज्ञा, पूजा कर्तुं शुभां वरम्।
इत्युक्ते गुरुणाभाणि, विधिर्-भक्तामरस्य वै॥ ४ ॥
श्री खण्डागुरु कर्पूर, नारिकेल-फलानि च।
प्रचुराक्षत-पुष्पौघा, नक्षताञ्चरुसञ्चयान्॥ ५ ॥
मेलयित्वा प्रमोदेन, चन्द्रोपम ध्वजादिकान्।
दीपान् धूपान् महावाद्य-गीतरावै-र्विराजितान्॥ ६ ॥
तोरणै - र्मणि - सन्नद्धै - रुज्ज्वलै - श्चामरैस्तथा।
मण्डपै पञ्चवर्णश्च द्रव्यैर् मङ्गलसूचकैः॥ ७ ॥
वसुदेव-मिते कोष्ठे, वर्तुलाकार-मण्डिते।
रचयेद् वेदिकां तत्र, श्रीजिनार्चन-हेतवे॥ ८ ॥
नातिवद्धो न हीनाङ्गो, दुष्कुलो न च बालकः।
मलिनो न च मूर्खश्च, सर्वव्यसन-वर्जितः॥ ९ ॥
कलाविज्ञान-सम्पूर्णो, वाचालः शास्त्रवाक्पटुः।
पण्डितो मृग्यते तत्र, करुणा-रस-पूरितः॥ १० ॥
सर्वांगसुन्दरो वाग्मी, शकली-करण-क्षमः।
स्पष्टाक्षरश्च मन्त्रज्ञो, गुरुभक्तो विशेषतः॥ ११ ॥
श्रावकान् श्राविकांश्चैव, योगिनश्यार्यिकांस्तथा।
चतुर्विधं परं सङ्घ, समाह्वयेत् सुभक्तितः॥ १२ ॥
पूजा-करण-शुद्धेन, कार्या सर्वज्ञ-सद्मनि।
ततोऽर्चनं श्रुतस्यापि, गुरोः पादार्चनं ततः॥ १३ ॥
कार्यं सर्वज्ञ-पूजायाः, प्रारम्भे सर्वसिद्धिदम्।
अनेन विधिना भव्यैः, पूजा कार्या निरन्तरम्॥ १४ ॥
रच-यन्नर्हतां पूजा-पीठिकां पुण्यमाप्नुयात्।
फलन्ति सर्व-कार्याणि, विघ्नराशिः क्षयं व्रजेत्॥ १५ ॥

इति पीठिका समाप्ता

भक्तामर विधान पूजा

(स्थापना) (दोहा)

भक्तामर स्तोत्र का, करते हम गुणगान।
आह्वानन् करते हृदय, पाने पद निर्वाण॥

ॐ ह्रीं सर्व कर्म बंधन विमुक्त, सर्व मंगलकारी धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्र! अत्र अवतर अवतर संवौषट् आह्वाननं।

ॐ ह्रीं सर्व कर्म बंधन विमुक्त, सर्व लोकोत्तम धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्र! अत्र तिष्ठ तिष्ठ ठः ठः स्थापनं।

ॐ ह्रीं सर्व कर्म बंधन विमुक्त, जगत् शरण धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्र! अत्र मम् सन्निहितौ भव वषट् सन्निधिकरणं।

(मोतीयादाम छन्द)

भराया झारी में शुचि नीर, मिटाने को लाए भव पीर।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ १॥

ॐ ह्री ह्रीं ह्रूं ह्रौं ह्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय जन्म जरा मृत्यु विनाशनाय जलं निर्वपामीति स्वाहा॥१॥

घिसाया चंदन यह गोसीर, मिले अब मुझको भव का तीर।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ २॥

ॐ भ्रां भ्रीं भ्रूं भ्रौं भ्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय संसार ताप विनाशनाय चंदनं निर्वपामीति स्वाहा॥२॥

शशि सम तन्दुल लाए जीर, मिले अक्षय पद की तासीर।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ ३॥

ॐ म्रां म्रीं म्रूं म्रौं म्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अक्षय पद प्राप्ताय अक्षतं निर्वपामीति स्वाहा॥३॥

सुगन्धित पुष्पित लाए फूल, काम का रोग होय निर्मूल।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ ४॥

ॐ ग्रं ग्रीं रूं ग्रौं ग्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय कामबाण विध्वंशनाय पुष्पं निर्वपामीति स्वाहा॥४॥

बनाये ताजे यह पकवान, मुझे हो समता का रस पान।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ ५॥
ॐ घ्रां घ्रीं घ्रूं घ्रौं घ्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय क्षुधा रोग विनाशनाय नैवेद्यं निर्वपामीति स्वाहा॥५॥
किया दीपक से यहाँ प्रकाश, मोह तम का हो सारा नाश।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ ६॥
ॐ झ्रां झ्रीं झ्रूं झ्रौं झ्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय मोहांधकार विनाशनाय दीपं निर्वपामीति स्वाहा॥६॥
जलाते धूप अग्नि में आज, नशे कर्मों का सकल समाज।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ ७॥
ॐ श्रां श्रीं श्रूं श्रौं श्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अष्ट कर्म दहनाय धूपं निर्वपामीति स्वाहा॥७॥
चढ़ाते ताजे फल भगवान, मोक्ष फल हमको मिले महान।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ ८॥
ॐ ख्रां ख्रीं ख्रूं ख्रौ ख्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय मोक्ष फल प्राप्ताय फलं निर्वपामीति स्वाहा॥८॥
बनाकर अर्घ्य भराया थाल, चढ़ाते भक्ती से नत भाल।
जिनेश्वर आदिनाथ महाराज, पूजते पाने शिव साम्राज्य॥ ९॥
ॐ अ ह्राँ सि ह्रीं आ ह्रूँ उ ह्रौं सा ह्रः धर्म प्रवर्तक श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्य प्राप्ताय अर्घ्य निर्वपामीति स्वाहा॥९॥

(दोहा) **शान्ती धारा दे रहे, हो शान्ती भगवान।**
पूजा का फल प्राप्त हो, हो आतम कल्याण॥
'शान्तये शान्तिधारा'
पुष्पाञ्जलि करते 'विशद', लेकर सुरभित फूल।
सुख शांति सौभाग्य हो, कर्म होय निर्मूल॥
पुष्पाञ्जलि क्षिपेत्...

प्रत्येकार्घ्य

(दोहा) **भक्तामर स्तोत्र के, चढ़ा रहे हम अर्घ्य।**
पुष्पाञ्जलि करते विशद पाने सुपद अनर्घ्य॥
मण्डलस्योपरि पुष्पाञ्जलि क्षिपेत्

श्री भक्तामर मण्डल विधान
२६८८ बीजाक्षर मंत्र पूजा

स्थापना

धर्म प्रवर्तक आदिनाथ जी, तीन लोक में हुए महान।
मानतुंग स्वामी भक्तामर, द्वारा किए विशद गुणगान॥
भक्तामर स्तोत्र का अक्षर, है प्रत्येक मंत्र शुभकार।
जिनके द्वारा श्री जिनेन्द्र की, अर्चा करते मंगलकार॥

दोहा- **जिन अर्चा के भाव से, आए हैं हम आज।**
विशद भावना भा रहे, सफल होय हर काज॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षर सम्पन्न! श्री वृषभ जिनेन्द्र देव! मम हृदये अवतर-अवतर संवौषट् इत्याव्हाननम्।

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षर सम्पन्न! श्री वृषभ जिनेन्द्र देव! मम हृदये तिष्ठ-तिष्ठ ठः ठः इति स्थापनम्।

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षर सम्पन्न! श्री वृषभ जिनेन्द्र देव! मम हृदये सन्निहितौ भव-भव वषट् सन्निधिकरणं।

(चाल छन्द)

जन्मादिक रोग नशाएँ, जल धारा दे हर्षाएँ।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ १॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय जन्म जरा मृत्यु विनाशनाय जलं निर्व. स्वाहा।

भव ताप नशाने आए, चन्दन घिसकर के लाए।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ २॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय संसार ताप विनाशनाय चन्दनं निर्वपामीति स्वाहा।

पावन अक्षय पद पाएँ, अक्षत हे नाथ! चढ़ाएँ।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ ३॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय अक्षय पद प्राप्ताय अक्षतान निर्वपामीति स्वाहा।

हम काम रोग विनशाएँ, पुष्पों की माल चढ़ाएँ।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ ४॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय कामबाण विध्वशनाय पुष्पं निर्वपामीति स्वाहा।

अब क्षुधा से मुक्ती पाएँ, चरु से जिन पूज रचाएँ।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ ५॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय क्षुधारोग विनाशनाय नैवेद्यं निर्वपामीति स्वाहा।

हम मोह कर्म को नाशें, घृतमय ये दीप प्रकाशें।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ ६॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय मोहांधकार विनाशनाय दीपं निर्वपामीति स्वाहा।

अपने सब कर्म नशाएँ, अग्नी में धूप जलाएँ।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ ७॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय अष्टकर्म दहनाय धूपं निर्वपामीति स्वाहा।

हम मोक्ष महाफल पाएँ, ताजे फल श्रेष्ठ चढ़ाएँ।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ ८॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय महामोक्ष फल प्राप्तये फलं निर्वपामीति स्वाहा।

अक्षय अनर्घ्य पददायी, यह अर्घ्य चढ़ाते भाई।
श्री आदिनाथ को ध्याएँ, भक्तामर महिमा गाएँ॥ ९॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

दोहा **शान्ती धारा दे रहे, हो शान्ती भगवान।**
पूजा का फल प्राप्त हो, हो आतम कल्याण॥
'शान्तये शान्तिधारा'

दोहा **पुष्पाञ्जलि करते 'विशद', लेकर सुरभित फूल।**
सुख शांति सौभाग्य हो, कर्म होय निर्मूल॥
(इत्याशीर्वादः पुष्पाञ्जलि क्षिपेत्)

जयमाला

दोहा- **भक्तामर स्तोत्र की, महिमा अगम अपार।**
जयमाला गाते यहाँ, पाने शिव का द्वार॥ १॥

'चौपाई

प्रथम जिनेश्वर मंगलकारी, आदिनाथ की महिमा न्यारी।
धर्म प्रवर्तन करने वाले, तीर्थंकर जिन हुए निराले॥ २॥
आप हुए संयम के धारी, विशद ज्ञान पाए अनगारी।
जग के प्राणी तुमको ध्याते, सुख शांती सौभाग्य जगाते॥ ३॥
भक्तामर स्तोत्र निराला, सुख शांती शुभ देने वाला।
पार नहीं महिमा का भाई, तीन लोक में है सुखदायी॥ ४॥
मानतुंग मुनिवर जी गाए, आदिनाथ को मन से ध्याये।
संकट दूर हुआ तब भाई, यह स्तोत्र की महिमा गाई॥ ५॥
भाव सहित जो मन से ध्याते, उनके सब संकट कट जाते।
पूजा कोई करे शुभकारी, कोई पाठ पढ़े मनहारी॥ ६॥

जो भी श्रद्धा भाव से ध्याए, मन में उत्तम शांती पाए।
भक्त की भक्ति जाए न खाली, जो सौभाग्य बढ़ाने वाली॥ ७॥
छब्बिस सौ अठासी गाए, अक्षर इक इक मंत्र कहाये।
बीजाक्षर की महिमा न्यारी, सरे कष्ट निवारण कारी॥ ८॥
महिमा सुनकर हम भी आए, श्रद्धा सुमन साथ में लाए।
हम हैं प्रभु अज्ञानी प्राणी, प्रभो! आप हो केवल ज्ञानी॥ ९॥
तुमने जीव जगत के तारे, तुमसे कर्म शत्रु भी हारे।
शिव पद दाता आप कहाए, शिवपुर अपना धाम बनाए॥ १०॥
भक्त आपको मन से ध्याते, पद में सादर शीश झुकाते।
इच्छित फल वह प्राणी पाते, अपने वे सौभाग्य जगाते॥ ११॥
तुम हो सर्व चराचर ज्ञाता, भवि जीवों के भाग्य विधाता।
पड़ी भंवर में मेरी नैय्या, उसके स्वामी आप खिवैय्या॥ १२॥
'विशद' भाव से तुमको ध्याते, पद में सादर शीश झुकाते।
जग के सारे कष्ट मिटाते, शिव पद हमको शीघ्र दिलाते॥ १३॥

दोहा

आदिनाथ के पद युगल, झुका रहे हम माथ।
जब तक मुक्ती न मिले, देना भव भव साथ॥ १४॥

ॐ ह्रीं सकलकार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहित हृदय स्थिताय श्री वृषभजिनाय अनर्घ्यपद प्राप्तये जयमाला पूर्णार्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

दोहा– **पुष्पाञ्जलि करते यहाँ, 'विशद' भाव के साथ।**
शिव पद पाऐं तव चरण, झुका रहे पद माथ॥ १५॥

(पुष्पाञ्जलि क्षिपेत्)

अर्घ्यावली

दोहा– **भक्तामर स्तोत्र से, भक्ती करते आज।**
शिव पदवी पाएँ प्रभो!, तारण तरण जहाज॥

(मण्डल स्तोत्र पुष्पाञ्जलि क्षिपेत्)

श्री भक्तामर स्तोत्र

भक्तामर-प्रणत मौलि-मणि-प्रभाणा-
मुद्योतकं-दलित-पाप-तमो वितानम्।
सम्यक्-प्रणम्य-जिन-पाद-युगं-युगादा-
वालम्बनं-भवजले-पततां-जनानाम्॥ १॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ब) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नाम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

भक्त चरण में झुकते आके, मुकुट सुमणि की कांति प्रधान।
पाप तिमिर सब नाशनहारी, दिव्य दिवाकर ज्ञान महान॥
भव समुद्र में पतित जनों को, देते हैं जो आलम्बन।
आदिनाथ के चरण कमल में, करते हम शत् शत् वन्दन॥ १॥

ॐ ह्रीं विश्व विघ्न हराय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घ नि. स्वाहा।

यः संस्तुतः सकल-वाङ्मय-तत्त्व-बोधा-
दुद्भूत-बुद्धि-पटुभिः सुर-लोक-नाथैः।
स्तोत्रैर् - जगत् - त्रितय - चित्त - हरै - रुदारैः
स्तोष्ये किलाह-मपि तं प्रथमं जिनेन्द्रम्॥ २॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (संस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वांङ्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्त्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दुद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्धि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रैर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ला) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नेन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्रम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

सकल तत्त्व के ज्ञाता अनुपम, सकल बुद्धि पटु धी धारी।
इन्द्रराज भी स्तुति करता, नत होकर जन मन हारी॥
हैं स्तुत्य प्रथम जिन स्वामी, महिमा हम भी गाते हैं।
जयकारा करते हैं चरणों, सादर शीश झुकाते हैं॥ २॥

ॐ ह्रीं नानामर संस्तुताय सकल रोग हराय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

बुद्ध्या विनाऽपि विबुधार्चित-पाद-पीठ,
स्तोतुं समुद्यत-मति-र्विगत-त्रपोऽहम्।
बालं विहाय जल-संस्थित-मिन्दु-बिम्ब-
मन्यः क इच्छति जनः सहसा ग्रहीतुम॥ ३॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बुद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध्या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ठ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तिर) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पोऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (संस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मिन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बिम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न्यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (इच्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (छ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ही) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

मन्द बुद्धि हम स्तुति करते, नहीं जरा भी शर्माते।
विज्ञ जनों से अर्चित हे प्रभु!, ज्ञानी आप कहे जाते॥
जल में चन्द्र बिम्ब की छाया, पाने बालक जिद् करता।
सत्य स्वरूप जानने वाला, ज्ञानी कर्मों से डरता॥ ३॥

ॐ ह्रीं म्त्यादि सुज्ञान प्रकाशनाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

वक्तुं गुणान् गुण समुद्र! शशाँक-कान्तान्,
कस्ते क्षमः सुरगुरु-प्रतिमोऽपि बुद्ध्या।
कल्पान्त - काल - पवनोद्धत - नक्र - चक्रं
को वा तरीतु-मल-मम्बु-निधिं भुजाभ्याम्॥ ४॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मोऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बुद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध्या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (को) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (री) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धिं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्यां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

चन्द्र कांति से बढ़कर हे जिन! आप धवल कांती पाए।
हे गुण सागर! महिमा गाने, में सुर गुरु भी थक जाए॥
नक्र चक्र मगरादिक होवें, प्रलय काल की चले बयार।
कौन भुजाओं से सागर को, कर सकता है बोलो पार॥४॥

ॐ ह्रीं नाना दुःखः समुद्र तारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

सोऽहं तथापि तव भक्ति-वशान्मुनीश,
कर्तुं स्तवं विगत-शक्ति-रपि प्रवृत्तः।
प्रीत्यात्म-वीर्य-मवि-चार्य मृगी मृगेन्द्रं
नाभ्येति किं निज-शिशोः परि-पाल-नार्थम्॥ ५॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सोऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (था) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ऽपि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्री) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्यात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वीर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गेन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नाभ्ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (किं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शोः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

शक्ति नहीं भक्ती से प्रेरित, हो स्तुति करने आए।
नाथ! आपके दर्शन करके, मन ही मन में हर्षाए॥
निज शिशु की रक्षा हेतू मृगि, अहो! विचार कहाँ करती।
जाकर मृगपति के सम्मुख वह, रक्षा कर संकट हरती॥५॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य सिद्धि कराय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

अल्पश्रुतं श्रुत-वतां परि-हास-धाम,
त्वद्-भक्ति-रेव मुखरी-कुरुते बलान्माम्।
यत्कोकिलः किल-मधौ मधुरं विरौति,
तच्चाम्र-चारु-कलिका-निक-रैक-हेतुः॥ ६॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (अल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (री) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ब) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (माम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (को) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तच्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

अल्प ज्ञानी हम ज्ञानी जन से, हास्य कराते हैं इक मात्र।
भक्ति आपकी प्रेरित करती, अतः भक्ति के हैं हम पात्र॥
आम्र वृक्ष पर वौर आए तब, कोयल करे मधुर शुभगान।
नाथ! आपकी भक्ती करती, प्रेरित करने को गुणगान॥ ६ ॥

ॐ ह्रीं याचितार्थ प्रतिपादन शक्ति सहिताय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

त्वत्संस्तवेन भव-सन्तति सन्-निबद्धं,
पापं क्षणात्-क्षय-मुपैति शरीर-भाजाम्।
आक्रान्त-लोक-मलि-नील-मशेष-माशु,
सूर्यांशु-भिन्न-मिव शार्वर-मन्ध कारम्॥ ७॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (संस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (री) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जाम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (आ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्रां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सूर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

स्तुति से हे नाथ! आपकी, कट जाते चिर संचित पाप।
शीघ्र भाग जाते हैं क्षण में, जरा नहीं रहता संताप॥
तीन लोक में भ्रमर सरीखा, तम छाया भारी घन घोर।
पूर्ण नाश हो जाता क्षण में, सूर्योदय होते ही भोर॥ ७॥

ॐ ह्रीं सकल पाप फल कुष्ट निवारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

मत्वेति नाथ! तव संस्तवनं मयेद-
मारभ्यते तनु-धियापि तव प्रभावात्।
चेतो हरिष्यति सतां नलिनी-दलेषु
मुक्ता-फल-द्युति-मुपैति ननूद-बिन्दुः॥ ८॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (संस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रभ्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ऽपि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रिष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ले) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मुक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (फ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बिन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दु:) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

हूँ मतिमान आपकी फिर भी, शुभ स्तुति आरम्भ करी।
चित्त हरण करती जन-जन का, भक्ति आपकी शांति भरी॥
कमल पत्र पर जल कण जैसे, मोती की उपमा पाए।
नाथ! आपकी स्तुति जग में, सज्जन का मन हर्षाए॥ ८॥

ॐ ह्रीं अनेक संकट संसार दु:ख निवारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

आस्तां तव स्तवन-मस्त-समस्त-दोषं,
त्वत्-संकथाऽपि जगतां दुरि-तानि हन्ति।
दूरे सहस्त्र-किरणः कुरुते प्रभैव,
पद्मा-करेषु जलजानि विकास-भांजि॥ ९॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (आस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (था) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

प्रभु स्तोत्र आपका क्षण में, सारे दोष विनाश करे।
पुण्य कथा भी प्रभू आपकी, जन्म जन्म के पाप हरे॥
सहस रश्मि वाला सूरज ज्यों, गगन में रहता है अति दूर।
सागर में कमलों को देता, सूर्य प्रभा अपनी भरपूर॥ ९ ॥

ॐ ह्रीं सकल मनोवांछित फल दात्रे क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

नात्यद्-भुतं भुवन-भूषण भूतनाथ!,
भूतै-र्गूणै-र्भुवि भवन्त-मभिष्टु-वन्तः।
तुल्या भवन्ति भवतो ननु तेन किं वा,
भूत्या-श्रितं य इह नात्म समं करोति॥ १०॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्यद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तैर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णैर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (किं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भूत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (इ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

त्रिभुवन तिलक आप हो स्वामी, सब जीवों के नाथ कहे।
सद्भक्तों को निज सम करते, इसमें क्या आश्चर्य रहे॥
धनी लोग स्वाश्रित को धन दे, कर लेते हैं स्वयं समान।
नहीं करे तो कौन कहेगा, स्वामी को हे नाथ! महान्॥ १०॥

ॐ ह्रीं अर्ह ज्िन स्मरणजिन सम्भूताय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

दृष्ट्वा भवन्त-मनि-मेष-विलोक-नीयम्,
नान्यत्र तोष-मुपयाति जनस्य चक्षुः।
पीत्वा पयः शशिकर-द्युति-दुग्ध-सिन्धोः
क्षारं जलं जल-निधे-रसितुं क इच्छेत्॥ ११॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दृष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ट्वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न्त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षुः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दुग्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सिं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धोः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (इच्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (छेत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

नाथ! आपका दर्शन करके, भक्त हृदय में होता हर्ष।
और नहीं सन्तोष कहीं है, बिना आपके करके दर्श॥
क्षीर सिन्धु का चन्द्र किरण सम, जो मानव करता जलपान।
कालोदधि का खारा पानी, कौन पियेगा हो अज्ञान॥ ११ ॥

ॐ ह्रीं सकल तुष्टि पुष्टि कराय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

यैः शान्त-राग-रुचिभिः परमाणु-भिस्त्वं,
निर्मापितस् - त्रिभुवनैक - ललामभूत!।
तावन्त एव खलु तेऽप्यणवः पृथिव्याम्,
यत्ते समान-मपरं न हि रूप-मस्ति॥ १२॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (निर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ला) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ए) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व:) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व्यां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

हुआ आपके तन का स्वामी, जितने अणुओं से निर्माण।
उतने ही अणु थे धरती पर, शांत रागमय श्रेष्ठ महान॥
हे अद्वितीय शिरोमणि प्रभु, तीन लोक के आभूषण।
नहीं आपसा सुन्दर कोई, नहीं आपसा आकर्षण॥१२॥

ॐ ह्रीं वांछित रूप फल शक्तये क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

वक्त्रं क्व ते सुर-नरो-रग-नेत्र-हारि,
निःशेष - निर्जित - जगत् - त्रितयोप - मानम्।
बिम्बं कलंक-मलिनं क्व निशा-करस्य,
यद्-वासरे भवति पाण्डु-पलाश-कल्पम्॥ १३॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ने) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (निः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (निर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बिम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (डु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ला) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

सुन्दर अनुपम मुख वाले जिन, सुर नर नाग नेत्रहारी।
तीन लोक की उपमा जीते, हे निर्ग्रन्थ! भेष धारी॥
है कलंक से युक्त चंद्रमा, उस से तुलना कौन करे।
हो पलास सा फीका दिन में, वही चन्द्रमा दीन अरे!॥ १३॥

ॐ ह्रीं लक्ष्मी सुख विधायकाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

सम्पूर्ण-मण्डल-शशांक-कला-कलाप,
शुभ्रा गुणास्-त्रिभुवनं तव लंघयन्ति।
ये संश्रितास्-त्रिजग-दीश्वर नाथ-मेकम्,
कस्तान् निवार-यति संचरतो यथेष्टम्॥ १४॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पूर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ड) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ला) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ला) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णास्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (घ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तास्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्ं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थेष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

कला कलाओं से बढ़के है, पूर्ण चन्द्रमा कांतीमान।
तीन लोक में व्याप रहे हैं, प्रभु के गुण भी पूर्ण महान॥
जिन गुण विचरें तीन लोक में, जगन्नाथ का पा आधार।
कौन रोक सकता है उनको, किसको है इतना अधिकार॥ १४॥

ॐ ह्रीं भूत प्रेतादि भय निवारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

चित्रं कि-मत्र यदि ते त्रिदशांग-नाभिर्
नीतं मना-गपि मनो न विकार-मार्गम्।
कल्पान्त-काल-मरुता चलिता-चलेन,
किं मन्द-राद्रि-शिखरं चलितं कदाचित्॥ १५॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ले) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (किं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चित्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

नहीं डिगा पाईं प्रभु का मन, हुई देवियाँ भी लाचार।
इसमें क्या आश्चर्य है कोई, कामदेव ने मानी हार॥
प्रलय काल की वायू चलती, पर्वत भी गिर-गिर जाते।
हिलता नहीं सुमेरू फिर भी, ऐसी अचल शक्ति पाते॥ १५॥

ॐ ह्रीं मेरुवत्मनोबल करणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

निर्धूम - वर्ति - रप - वर्जित - तैल - पूरः
कृत्स्नं जगत्-त्रय-मिदं प्रकटी-करोषि।
गम्यो न जातु मरुतां चलिता-चलानाम्,
दीपोऽपरस्त्वव-मसि नाथ! जगत्-प्रकाशः॥ १६॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (निर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्रत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म्यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ला) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पोऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

धुँआ तेल बाती बिन दीपक, नाथ! आप कहलाते हो।
तीनों लोक प्रकाशित करते, शिव पथ आप दिखाते हो॥
वायू ऐसी तेज चले कि, सुगिरि शिखर उड़-उड़ जाए।
एक अलौकिक दीप आप हो, कोई नहीं बुझा पाए॥ १६॥

ॐ ह्रीं प्रैलोक्यलोक वशंकराय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

नास्तं कदाचि-दुप-यासि न राहु-गम्यः
स्पष्टी-करोषि सहसा युगपज्जगन्ति।
नाम्भो - धरो - दर - निरुद्ध - महा - प्रभावः
सूर्याति-शायि-महि-मासि मुनीन्द्र! लोके॥ १७॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नास्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म्यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष्टी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज्ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नाम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सूर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नीन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (के) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

उदय अस्त न होता जिसको, और न राहू ग्रस पाए।
तीनों लोक का ज्ञान आपका, एक साथ सब दिखलाए॥
घने मेघ ढक सकें कभी न, न प्रभाव कम हो पाता।
महिमाशाली दिनकर चरणों, स्वयं आपके झुक जाता॥ १७॥

ॐ ह्रीं पापान्धकार निवारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

नित्यो-दयं दलित-मोह-महान्ध-कारं,
गम्यं न राहु-वदनस्य न वारि-दानाम्।
विभ्राजते तव मुखाब्ज-मनल्प-कान्ति,
विद्यो-तयज्-जग-दपूर्व-शशाँक-बिम्बम्॥ १८॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म्यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नाम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (खा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ब्ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यज्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पूर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बिम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

मोहमहातम के नाशक प्रभु, सदा उदित रहते स्वामी।
राहु गम्य न मेघ से ढकते, हे शिव पथ! के अनुगामी॥
अतुल कांतिमय रूप आपका, मुख मण्डल भी दमक रहा।
जगत शिरोमणि हे शशांक जिन!, तुमसे जग ये चमक रहा॥ १८॥

ॐ ह्रीं चन्द्र वत्सर्व लोकोद्योतन कराय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

किं शर्वरीषु शशि-नाह्नि विवस्वता वा,
युष्मन्-मुखेन्दु-दलितेषु तमःसु नाथ!।
निष्पन्न-शालि-वन-शालिनि जीव-लोके,
कार्यं कियज्-जलधरै-र्जलभार-नम्रैः॥ १९॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (किं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (री) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह्नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (युष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (खेन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (निष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (के) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यज्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न.) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म्रैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

मुख मण्डल जिन दिव्य तेजमय, अन्धकार का करे विनाश।
दिन में सूर्य और रात्री में, चन्द्र बिम्ब की फिर क्या आस॥
धान्य खेत में पके हुए शुभ, लहराएँ अतिशय अभिराम।
जल से भरे सघन मेघों का, रहा बताओ फिर क्या काम॥ १९॥

ॐ ह्रीं सकल कालुष्य दोष निवारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

ज्ञानं यथा त्यपि विभाति कृताव-काशं,
नैवं तथा हरि-हरादिषु नायकेषु।
तेजः स्फुरन्-मणिषु याति यथा महत्त्वं,
नैवं तु काच-शकले किरणा-कुलेऽपि॥ २०॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज्ञा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (था) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (था) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (के) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्फुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (था) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ले) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ले) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

शोभित होता प्रभू आपका, स्वपर प्रकाशी केवल ज्ञान।
हरिहरादि देवों में वैसा, प्रकट नहीं हो सके प्रधान॥
महारत्न ज्योतिर्मय किरणों, वाला शुभ देखा जाता।
किरणाकुलित काँच क्या वैसी, उत्तम आभा को पाता॥ २०॥

ॐ ह्रीं केवल ज्ञान प्रकाशित लोकालोक स्वरूपाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

मन्ये वरं हरि-हरादय एव दृष्टा
दृष्टेषु येषु हृदयं त्वयि तोष-मेति।
किं वीक्षितेन भवता भुवि येन नान्यः,
कश्चिन् मनो हरति नाथ! भवान्तरेऽपि॥ २१॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न्ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ए) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष्टा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष्टे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (किं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न्यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कश्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चिन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रेऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

हरिहरादि देवों का हमनें, माना उत्तम अवलोकन।
नहिं सन्तोष प्राप्त करता है, बिना आपको देखे मन॥
तुम्हें देखने से हे स्वामी!, लाभ हुआ मुझको भारी।
भूला भटका चंचल मेरा, चित्त हुआ है अविकारी॥ २१॥

ॐ ह्रीं सर्व दोष हर शुभ दर्शनाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

स्त्रीणां शतानि शतशो जनयन्ति पुत्रान्,
नान्या सुतं त्व-दुपमं जननी प्रसूता।
सर्वा दिशो दधति भानि सहस्त्र-रश्मिम्,
प्राच्येव दिग्जनयति स्फुर-दंशु-जालम्॥ २२॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्त्री) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न्या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्मिं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च्ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दिग्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्फु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

जहाँ सैकड़ों सुत को जनने, वाली सौ-सौ माताएँ।
मगर आपको जनने का, सौभाग्य श्रेष्ठ जननी पाएँ॥
सर्व दिशाएँ नक्षत्रों को, पाती ना कोई खाली।
पूर्ण प्रतापी सूरज को बस, पूर्व दिशा जनने वाली॥ २२॥

ॐ ह्रीं अद्भुत गुणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

त्वा-मा-मनन्ति मुनयः परमं पुमांस-
मादित्य-वर्ण-ममलं तमसः पुरस्तात्।
त्वा-मेव सम्य-गुप-लभ्य जयन्ति मृत्युम्,
नान्यः शिवः शिव-पदस्य मुनीन्द्र! पन्थाः॥ २३॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्युं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न्यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न्द्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थाः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

हे मुनियों के नाथ आपका, परम पुरुष करते गुणगान।
सूर्यकान्त सम तेज वंत हो, मृत्युंजय मेरे भगवान॥
नाथ! आपको छोड़ कोई ना, शिवमारग दिखलाता है।
'विशद' आपको ध्याने वाला, मृत्युंजय हो जाता है॥ २३॥

ॐ ह्रीं मनोवांछित फल प्रदायक क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

त्वा-मव्ययं विभु-मचिन्तय-मसंख्य-माद्यं,
ब्रह्माणमीश्वर - मनन्त - मनंग - केतुम्।
योगीश्वरं विदित-योग-मनेक-मेकं
ज्ञान-स्वरूप-ममलं प्रवदन्ति सन्तः॥ २४॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चिन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ब्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह्मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मीं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (के) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ने) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज्ञा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

आदिब्रह्म ईश्वर जगदीश्वर, एकानेक अनन्त मुनीश!।
विजित योग अक्षय मकरध्वज, विमलज्ञान मय हे जगदीश!॥
जगन्नाथ जगतीपति आदिक, कहलाते हो हे वागीश!।
इत्यादिक नामों के द्वारा, जाने जाते हे योगीश!॥ २४॥

ॐ ह्रीं सहस्र नामाधीश्वराय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

बुद्धस्त्व-मेव विबुधार्चित-बुद्धि-बोधात्,
त्वं शंकरोऽसि भुवन-त्रय-शंकरत्वात्।
धातासि धीर! शिव-मार्ग-विधे-र्विधानाद्,
व्यक्तं त्वमेव भगवन्! पुरुषोत्तमोऽसि॥ २५॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बुद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बुद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रोऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धेर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नाद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षोत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (असि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

केवल ज्ञान बोधि को पाने, वाले आप कहाए बुद्ध।
त्रय लोकों के शोक हरणहर, शंकर आप कहाते शुद्ध॥
मोक्ष मार्ग दर्शाने वाले, आप विधाता कहे जिनेश!।
धर्म प्रवर्तक हे पुरुषोत्तम!, और कौन होंगे अखिलेश॥ २५॥

ॐ ह्रीं पारंडताय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

तुभ्यं नमस्-त्रिभुव-नार्ति-हराय नाथ!
तुभ्यं नमः क्षिति-तलामल-भूषणाय।
तुभ्यं नमस्-त्रिजगतः परमेश्वराय,
तुभ्यं नमो जिन! भवोदधि-शोषणाय॥ २६॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ला) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

तीन लोक के दुखहर्त्ता हे!, आदि जिनेश्वर्! तुम्हें नमन्।
भूमण्डल के आभूषण प्रभु, हे परमेश्वर! तुम्हें नमन्॥
अखिलेश्वर हे! तीन लोक के, तव पद बारम्बार नमन्।
भव सिन्धू के शोसक अनुपम, भविजीवों का चरण नमन्॥ २६ ॥

ॐ ह्रीं नाना दु:ख विलीनाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

को विस्मयोऽत्र यदि नाम गुणै-रशेषैस्,
त्वं संश्रितो निरवकाश-तया मुनीश।
दोषे - रुपात्त - विविधाश्रय - जात - गर्वैः,
स्वप्नान्तरेऽपि न कदाचि-दपी-क्षितोऽसि॥ २७॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (को) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (योऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्वप्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ऽपि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तोऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

गुण सारे एकत्रित होकर, तुममें आन समाए हैं।
इसमें क्या आश्चर्य है कोई, आश्रय अन्य न पाए हैं॥
खोटे देवों के आश्रय से, गर्वित होकर रहते दोष।
नहीं आपकी ओर झाँकते, कभी स्वप्न में हे गुणकोष!॥ २७॥

ॐ ह्रीं सकल दोष निर्मुक्ताय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

उच्चै - रशोक - तरु - संश्रित - मुन्मयूख
माभाति रूप-ममलं भवतो नितान्तम्।
स्पष्टोल्लसत्-किरण-मस्त-तमो-वितानं,
बिम्बं रवे-रिव पयोधर-पार्श्व-वर्ति॥ २८॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (उच्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मुन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्पष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टोल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बिम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

तरु अशोक उन्नत है निर्मल, रत्न रश्मियाँ बिखराए।
सुन्दर रूप आपका मनहर, तरुवर का आश्रय पाए॥
ऊर्ध्वमुखी किरणें अम्बर में, तम को दूर भगाती हैं।
नीलांचल पर्वत से मानो, भव्य आरती गाती हैं॥ २८॥

ॐ ह्रीं अशोकतरु विराजमानाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

सिंहासने मणि-मयूख-शिखा-विचित्रे,
विभ्राजते तव वपुः कनका-वदातम्।
बिम्बं वियद्-विलस-दंशु-लता-वितानम्,
तुंगो-दयाद्रि-शिर-सीव सहस्त्र-रश्मेः॥ २९॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सिं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ने) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (खा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पुः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बिम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रश्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे:) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

रंग बिरंगी किरणों वाला, सिंहासन अद्भुत छविमान।
उस पर कंचन काया वाले, शोभा पाते हैं भगवान॥
उच्च शिखर से उदयाचल के, सूर्य रश्मियाँ बिखराए।
किरण जाल का श्रेष्ठ चँदोवा, मानो आभा फैलाए॥ २९॥

ॐ ह्रीं मणिमुक्ताखचिवत सिंहासन प्रातिहार्य युक्ताय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

कुन्दा - वदात - चल - चामर - चारु - शोभम्,
विभ्राजते तव वपुः कल-धौत-कान्तम्।
उद्यच्छशांक - शुचि - निर्झर - वारिधार
मुच्चेस्तटं-सुरगिरे-रिव शात-कौम्भम्॥ ३०॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कुन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पुः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (उ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यच) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (छ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (निर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (झ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मुच्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चैस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कौम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

शुभ्र चँवर ढुरते हैं अनुपम, कुन्द पुष्प सम आभावान।
दिव्य देह शोभा पाती है, स्वर्णाभासी कांतीमान॥
कनकाचल के उच्च शिखर से, मानों झरना झरता है।
अपनी शुभ्र प्रभा के द्वारा, मन मधुकर को हरता है॥ ३०॥

ॐ ह्रीं चतुषष्टि चामरप्रातिहार्य युक्ताय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

छत्र-त्रयं तव विभाति शशांक-कान्त-
मुच्चैः स्थितं स्थगित-भानुकर-प्रतापम्।
मुक्ताफल-प्रकर-जाल-विवृद्ध-शोभम्।
प्रख्या-पयत् त्रिजगतः परमेश्वरत्वम्॥ ३१॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (छ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मुच्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्थि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मुक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (फ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख्या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

चन्द्र कांति सम छत्र त्रय हैं, मणिमुक्ता वाले अभिराम।
सिर पर शोभित होते अनुपम, अतिशय दीप्तीमान ललाम॥
सूर्य रश्मियों का प्रताप जो, रोक रहे होके छविमान।
तीन लोक के ईश्वर अनुपम, कहे गये हो आप महान॥ ३१ ॥

ॐ ह्रीं छत्रत्रय प्रातिहार्य युक्ताय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

गम्भीर - तार - रव - पूरित - दिग्विभागस्।
त्रैलोक्य - लोक - शुभ - संगम - भूति - दक्षः।
सद्-धर्मराज-जय-घोषण-घोषकः सन्,
खे दुन्दुभि-ध्र्वनति ते यशसः प्रवादी॥ ३२॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दिग्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (घो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (घो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (खे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दुन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

उच्च स्वरों में बजने वाली, करती सर्व दिशा में नाद।
तीन लोकवर्ति जीवों के, मन में लाती है आह्लाद॥
डंका पीट रही है अनुपम, हो सद्धर्म की जय-जयकार।
गगन मध्य भेरी बजती है, यश गाती है अपरम्पार॥ ३२॥

ॐ ह्रीं त्रैलोक्याज्ञा विधायिने क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

मन्दार - सुन्दर - नमेरु - सुपारि - जात
सन्तान - कादि - कुसुमोत्कर - वृष्टि - रुद्धा।
गन्धोद-बिन्दु-शुभ-मन्द-मरुत्-प्रपाता,
दिव्या दिवः पतति ते वचसां ततिर्वा॥ ३३॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सुन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मोत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वृष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्धा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बिन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रुत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व्या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तिर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

गंधोदक की वृष्टी करते, देव चलाते मंद पवन।
संतानक मंदार नमेरू, कल्पतरू के श्रेष्ठ सुमन॥
सुन्दर पारिजात आदिक के, ऊर्ध्वमुखी होकर गिरते।
पंक्तीबद्ध आदि जिनके ही, मानो दिव्य वचन खिरते॥ ३३॥

ॐ ह्रीं समस्त पुष्प जाति वृष्टि प्रातिहार्य क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

शुम्भत् - प्रभा - वलय - भूरि - विभा - विभोस्ते,
लोक-त्रये द्युतिमतां द्युति-मा-क्षिपन्ती।
प्रोद्यद् - दिवाकर - निरन्तर - भूरि - संख्या,
दीप्त्या जयत्यपि निशा-मपि सोम-सौम्याम्॥ ३४॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शुम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ती) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्रोद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख्या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दीप्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्यां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म्यां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

तीन लोकवर्ती उपमाएँ, जो कहने में आती हैं।
तन भामण्डल के आगे वह, सब फीकी पड़ जाती हैं॥
कोटि सूर्य सम प्रखर दीप्ति है, फिर भी नहीं जरा आताप।
शीतल चन्द्र प्रभु के आगे, प्रभाहीन हों अपने आप॥ ३४॥

ॐ ह्रीं कोटि भास्कर प्रभामंडित भामाण्डल प्रातिहार्याय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

स्वर्गा - पवर्ग - गम - मार्ग - विमार्गणेष्टः,
सद्धर्म - तत्त्व - कथनैक - पटुस् - त्रिलोक्याः।
दिव्यध्वनि-र्भवति ते विशदार्थ-सर्व-
भाषा-स्वभाव-परिणाम-गुणैः प्रयोज्यः॥ ३५॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्वर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णेष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टुस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्याः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (निर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दार्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णैः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज्यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

स्वर्ग मोक्ष के दिग्दर्शक हैं, हे जिनेन्द्र! तव दिव्य वचन।
तीन लोक में सत्य धर्म को, प्रगटाएँ सम्यक् दर्शन॥
दिव्य देशना सुनकर करते, भव्य जीव अपना उद्धार।
सुनकर विशद समझ लेते हैं, निज निज भाषा के अनुसार॥ ३५॥

ॐ ह्रीं जलधर पटल गर्जित सर्वभाषात्म कयोजन प्रमाण दिव्य ध्वनि प्रातिहार्य क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

उन्निद्र - हेमनव - पंकज - पुंज - कान्ति,
पर्युल्-लसन्-नख-मयूख शिखाभि-रामौ।
पादौ पदानि तव यत्र जिनेन्द्र! धत्तः,
पद्मानि तत्र विबुधाः परि-कल्प-यन्ति॥ ३६॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (उन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (युल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (खा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नेन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धाः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

चरणाम्बुज नख शोभित होते,नभ में जैसे स्वर्ण कमल।
कुमुद मुदित होकर सागर में, शोभा पाते चरण युगल॥
अभिवन्दन के योग्य चरण शुभ, प्रभुवर जहाँ-जहाँ धरते।
उनके पग तल दिव्य कमल की, देव श्रेष्ठ रचना करते॥ ३६॥

ॐ ह्रीं पादन्यासे पद्मश्री युक्ताय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

इत्थं यथा तव विभूति-रभूज्-जिनेन्द्र!
धर्मोप-देशन-विधौ न तथा परस्य।
यादृक् प्रभा दिनकृतः प्रहतान्धकारा,
तादृक् कुतो ग्रह-गणस्य विकासिनोऽपि॥ ३७॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (इत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (था) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भूज्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नेन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (था) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दृक) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दृक) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नोऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

धर्म देशना की बेला में, वैभव पाते जो तीर्थेश।
अन्य कुदेवों में वैसा कुछ, देखा गया नहीं लवलेश॥
घोर तिमिर का नाशक रवि जो, दिव्य रोशनी को पाता।
वैसा दिव्य प्रकाश नक्षत्रों, में भी क्या देखा जाता॥ ३७॥

ॐ ह्रीं धर्मोपदेश समये समवसरणादि लक्ष्मी विभूति विराज मानाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

श्च्योतन् - मदाविल - विलोल - कपोल - मूल-
मत्त - भ्रमद् - भ्रमर - नादविवृद्ध - कोपम्।
ऐरा - वताभ - मिभ - मुद्धत - मा - पतन्तं
दृष्ट्वा भयं भवति नो भव-दाश्रितानाम्॥ ३८॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्च्यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (को) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ऐ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दृष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ट्वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नाम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

महामत्त गज के गालों से, बहे निरन्तर मद की धार।
जिस पर भौंरों का समूह भी, करता हो अतिशय गुंजार॥
क्रोधाशक्त दौड़ता हाथी, जिसका रूप दिखे विकराल।
कभी नहीं कर सकता हे प्रभु!, तव भक्तों को वह बेहाल॥ ३८ ॥

ॐ ह्रीं हस्त्यादि गर्व दुद्धर भय निवारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

भिन्नेभ - कुम्भ - गल - दुज्ज्वल - शोणिताक्त,
मुक्ताफल - प्रकर - भूषित - भूमिभागः।
बद्ध-क्रम क्रम-गतं हरिणा-धिपोऽपि,
नाक्रामति क्रम-युगा-चल-संश्रितं ते॥ ३९॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ने) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कुम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दुज्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ताक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (फ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पोऽ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

तीक्ष्ण नखों से फाड़ दिए हैं, गज के उन्नत गण्डस्थल।
गज मुक्ताओं द्वारा जिसने, पाट दिया हो अवनीतल॥
ऐसा सिंह भयानक होकर, कभी नहीं कर सकता वार।
चरण कमल का प्रभो! आपके, जिसने बना लिया आधार॥ ३९ ॥

ॐ ह्रीं युगादिदेव नाम प्रासादात् केशरि भय विनाश काय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

कल्पान्त - काल - पवनोद्धत - वह्नि - कल्पम्
दावानलं ज्वलित-मुज्ज्वल-मुत्स्फुलिंगम्।
विश्वं जिघत्सु-मिव सम्मुख-मापतन्तं,
त्वन्नाम-कीर्तन-जलं शमयत्यशेषम्॥ ४०॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पान्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (का) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह्नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मुज्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मुत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्फु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लिं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्वं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (घत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कीर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (षम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

प्रलयंकारी आँधी उठकर, फैल रही हो चारों ओर।
उठे फुलिंगे अंगारों की, वायु का भी होवे जोर॥
भुवनत्रय का भक्षण कर ले, आग सामने आती है।
प्रभू नाम के मंत्र नीर से, क्षण भर में बुझ जाती है॥ ४०॥

ॐ ह्रीं संसाराग्नि ताप निवारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

रक्तेक्षणं समद-कोकिल-कण्ठ-नीलं,
क्रोधोद्धतं फणिन-मुत्फण-मा-पतन्तम्।
आक्रामति क्रमयुगेण निरस्त-शंकस्-
त्वन्नाम-नाग-दमनी-हृदि यस्य पुंसः॥ ४१॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रक्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (को) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ठ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्रो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (फ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मुत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (फ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (आ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

क्रोधित कोकिल कण्ठ के जैसा, फण फैलाए काला नाग।
लाल नेत्र कर दौड़ रहा हो, मुख से निकल रहा हो झाग॥
ऐसे नाग के सिर पर चढ़कर, भी आगे बढ़ जाता है।
नाम जाप करने वाले का, नाग न कुछ कर पाता है॥ ४१ ॥

ॐ ह्रीं त्वन्नाम नागदमनी शक्ति सम्पन्नाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

वल्गत्तुरंग - गज - गर्जित - भीमनाद-
माजौ बलं बलवता-मपि भूपतीनाम्।
उद्यद् दिवाकर - मयूख - शिखा - पविद्धं,
त्वत्-कीर्तनात्तम इवाशु भिदा-मुपैति॥ ४२॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ब) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ब) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ती) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नाम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (उद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (खा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (विद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कीर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नात्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (इ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

जहाँ अश्व गज गर्वित होकर, गरज रहे हों चारों ओर।
बलशाली राजा की सेना, चीत्कार करती हो घोर॥
शक्तिहीन नर वहाँ अकेला, जपने वाला प्रभु का नाम।
बलशाली सेना को भी वह, नष्ट करे क्षण में अविराम॥ ४२॥

ॐ ह्रीं संग्राम मध्ये क्षेमङ्कराय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

कुन्ताग्र - भिन्न - गज - शोणित - वारि - वाह-
वेगा - वतार - तरणा - तुर - योध - भीमे।
युद्धे जयं विजित-दुर्जय-जेय-पक्षास्-
त्वत्पाद-पंकज-वना-श्रयिणो लभन्ते॥ ४३॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कुन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भिन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (युद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दुर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षास्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

बर्छी भालों से आहत गज, तन से बहे रक्त की धार।
योद्धा लड़ने को तत्पर हों, लहू की सरिता करके पार॥
समरांगण में भक्त आपका, शत्रु सैन्य से पाए न हार।
आश्रय पाये जो तव पद का, पाए विजय श्री उपहार॥ ४३॥

ॐ ह्रीं वनगजादि भय निवारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

अम्भो-निधौ क्षुभित-भीषण-नक्र-चक्र-
पाठीन-पीठ-भय-दोल्वण-वाड-वाग्नौ।
रंग-तरंग-शिखर-स्थित-यान-पात्रास्-
त्रासं विहाय भवतः स्मरणाद् व्रजन्ति॥ ४४॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (अम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्षु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ठी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ठ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दोल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ड) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वाग्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नौ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ङ्ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रस्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रास्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णाद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

लहरें क्षोभित हों सिन्धू की, शिखर से जाकर टकराएँ।
नक्र चक्र धड़ियाल भयंकर, बड़वानल भी जल जाएँ॥
सागर में तूफान विकट हो, फँसा हुआ जिसमें जलयान।
छुटकारा पा जाए क्षण में, करे आपको जो भी ध्यान॥ ४४॥

ॐ ह्रीं संसाराब्धितारणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

उद्भूत - भीषण - जलोदर - भार - भुग्नाः,
शोच्यां दशा-मुप-गताश्च्युत-जीवि-ताशाः।
त्वत् - पाद - पंकज - रजोऽमृत - दिग्ध-देहा,
मर्त्या भवन्ति मकरध्वज-तुल्य-रूपाः॥ ४५॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (उद्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ष) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भुग्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नाः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च्यां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ताश्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (च्यु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शाः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ऽमृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दिग्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (दे) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (क) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुल्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रू) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पाः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

भीषण रोगों से पीड़ित हो, और जलोदर का हो भार।
जीवन की आशा तज दी हो, भय से आकुल होय अपार॥
तव पद पंकज की रज पाकर, तन की मिट जाए सब पीर।
कामदेव के जैसा सुन्दर, भक्त आपका पाए शरीर॥ ४५॥

ॐ ह्रीं दाहताप जलोदराष्ट दश कुष्ट सन्निपातादि रोग हराय श्री क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

आपादकण्ठ - मुरु - श्रृंखल - वेष्टितांगा,
गाढ़ं बृहन्-निगड-कोटि-निघृष्ट-जंघाः।
त्वन्-नाम-मन्त्र-मनिशं मनुजाः स्मरन्तः,
सद्यः स्वयं विगत-बन्ध-भय भवन्ति॥ ४६॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (आ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ठ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श्रृं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ख) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ल) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वेष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गाः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ढ़ं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ड) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (को) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (टि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (घृष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ट) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (घाः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जाः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्यः) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

पग से सिर तक जंजीरों से, जकड़ी हुई है जिसकी देह।
छिले हुए घुटने जंघाएँ, पीड़ाकारी निःसन्देह॥
ऐसे दुस्तर बन्दीजन भी, करके प्रभू नाम का जाप।
कट जाते हैं बन्धन सारे, उनके क्षण में अपने आप॥ ४६ ॥

ॐ ह्रीं नानाविध कठिन बन्धन दूर करणाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

मत्त - द्विपेन्द्र - मृगराज - दवान - लाहि-
संग्राम - वारिधि - महोदर - बन्धनोत्थम्।
तस्याशु नाश-मुपयाति भयं भियेव,
यस्तावकं स्तव-मिमं मतिमा-नधीते॥ ४७॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पेन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मृ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ला) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (सं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग्रा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (रि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (हो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (बन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नोत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (थम्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ना) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (श) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (प) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (यं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ये) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धी) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नम: अर्घ्यं नि. स्वाहा।

सिंह गजेन्द्र नाग रणस्थल, दावानल हो रोग अपार।
सिंधू भय अतिभीषण दुख से, क्षण भर में पा जाए पार॥
गुण स्तवन वन्दन करता है, विश्वेश्वर का जो धीमान।
भय भी भय से आकुल होकर, करता है उसका सम्मान॥ ४७॥

ॐ ह्रीं बहुविध विघ्न विनाशाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

स्तो-त्रस्त्रजं तव जिनेन्द्र! गुणै र्निबद्धां,
भक्त्या मया विविध-वर्ण-विचित्र-पुष्पाम्।
धत्ते जनो य इह कण्ठ-गता-मजस्त्रं,
तं ''मानतुंग''-मवशा समुपैति लक्ष्मीः॥ ४८॥

१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्तो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (जि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नेन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (गु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
११. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (णैर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ब) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (द्धां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (भक्त्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (या) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
१९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ध) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वर्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ण) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (वि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (चि) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (त्र) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पुष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पां) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
२९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (धत्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ते) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (नो) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (य) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (इ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ह) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (कन्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ठ) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
३९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ता) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ज) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स्रं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (न) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (तुं) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४७. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ग) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४८. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (म) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
४९. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (व) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५०. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (शा) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५१. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (स) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५२. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मु) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५३. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (पै) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५४. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (ति) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५५. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (लक्ष्) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।
५६. ॐ ह्रीं क्लीं श्री अर्हं महिमावंत (मी:) बीजाक्षर संयुक्ताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः अर्घ्यं नि. स्वाहा।

गुण उपवन से प्रभू आपके, भांति-भांति वर्णों के फूल।
चुनकर लाए भक्ति माल को, गूँथे हैं रुचि के अनुकूल॥
भव्य जीव जो सुमनावलि से, अपना कण्ठ सजाते हैं।
'मानतुंग' सम गुण के सागर, 'विशद' मुक्ति पद पाते हैं॥ ४८॥

ॐ ह्रीं सकल कार्य साधन समर्थाय क्लीं महाबीजाक्षर सहिताय हृदय स्थिताय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय अर्घं नि. स्वाहा।

ऋद्धियों के अर्घ्य

१. ॐ ह्रीं अर्हं णमो जिणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२. ॐ ह्रीं अर्हं णमो ओहि जिणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३. ॐ ह्रीं अर्हं णमो परमोहि जिणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४. ॐ ह्रीं अर्हं णमो सव्वोहि जिणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

५. ॐ ह्रीं अर्हं णमो अणंतोहि जिणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

६. ॐ ह्रीं अर्हं णमो कोट्ठबुद्धीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

७. ॐ ह्रीं अर्हं णमो बीजबुद्धीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

८. ॐ ह्रीं अर्हं णमो पदाणुसारिणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

९. ॐ ह्रीं अर्हं णमो संभिन्नसोदाराणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१०. ॐ ह्रीं अर्हं णमो सयंबुद्धाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

११. ॐ ह्रीं अर्हं णमो पत्तेय बुद्धाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१२. ॐ ह्रीं अर्हं णमो बोहियबुद्धाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१३. ॐ ह्रीं अर्हं णमो उजुमदीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१४. ॐ ह्रीं अर्हं णमो विउलमदीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१५. ॐ ह्रीं अर्हं णमो दसपुव्वीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१६. ॐ ह्रीं अर्हं णमो चउदसपुव्वीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१७. ॐ ह्रीं अर्हं णमो अट्ठांगमहानिमित्तकुशलाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१८. ॐ ह्रीं अर्हं णमो विउव्वइड्ढिपत्ताणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

१९. ॐ ह्रीं अर्हं णमो विज्जाहराणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२०. ॐ ह्रीं अर्हं णमो चारणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२१. ॐ ह्रीं अर्हं णमो पण्णसमणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२२. ॐ ह्रीं अर्हं णमो आगासगामिणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२३. ॐ ह्रीं अर्हं णमो आसीविसाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२४. ॐ ह्रीं अर्हं णमो दिट्ठिविसाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२५. ॐ ह्रीं अर्हं णमो उग्गतवाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२६. ॐ ह्रीं अर्हं णमो दित्ततवाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२७. ॐ ह्रीं अर्हं णमो तत्ततवाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२८. ॐ ह्रीं अर्हं णमो महातवाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

२९. ॐ ह्रीं अर्हं णमो घोरतवाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३०. ॐ ह्रीं अर्हं णमो घोरगुणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३१. ॐ ह्रीं अर्हं णमो घोरपराक्कमाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३२. ॐ ह्रीं अर्हं णमो घोरगुणबंभयारीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३३. ॐ ह्रीं अर्हं णमो आमोसहिपत्ताणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३४. ॐ ह्रीं अर्हं णमो खेल्लोसहिपत्ताणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३५. ॐ ह्रीं अर्हं णमो जल्लोसहिपत्ताणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३६. ॐ ह्रीं अर्हं णमो विप्पोसहिपत्ताणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३७. ॐ ह्रीं अर्हं णमो सव्वोसहिपत्ताणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३८. ॐ ह्रीं अर्हं णमो मणबलीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

३९. ॐ ह्रीं अर्हं णमो वचिबलीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४०. ॐ ह्रीं अर्हं णमो कायबलीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४१. ॐ ह्रीं अर्हं णमो खीरसवीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४२. ॐ ह्रीं अर्हं णमो सप्पिसवीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४३. ॐ ह्रीं अर्हं णमो महुरसवीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४४. ॐ ह्रीं अर्हं णमो अमियसवीणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४५. ॐ ह्रीं अर्हं णमो अक्खीणमहाणसाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४६. ॐ ह्रीं अर्हं णमो वड्ढमाणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४७. ॐ ह्रीं अर्हं णमो सिद्धायदणाणं अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

४८. ॐ ह्रीं अर्हं णमो भयवदो-महदि-महावीर वड्ढमाण बुद्ध ऋषि अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

इसके पश्चात् इस मंत्र की एक माला फेरें और धूव से आहुति देवें।

जाप- ॐ ह्रीं क्लीं अर्हं श्री वृषभनाथ तीर्थंकराय नमः।

समुच्चय जयमाला

दोहा– भक्तामर का पाठ कर, काटूं भव का जाल।
विशद भाव के पुष्प ले, गाएँ शुभ जयमाल॥
तर्ज– भक्त अमर नत मुकुट सुमणियों...।

तीन लोक के मध्य में स्थित, वलयाकार है जंबूद्वीप।
भरत क्षेत्र है दक्षिण दिश में, हिमवन पर्वत रहा समीप॥
भारत देश प्रदेश मध्य में, उज्जैनी है नगर महान्।
ज्ञानी ध्यानी भूप वहां का, राजा भोज रहा गुणवान॥
कालीदास आदि काली के, रहे उपासक नव विद्वान।
अन्य कई विद्वानों से ही, बनी हुई थी राज्य की शान॥
सभा मध्य में सभी बैठकर, करते थे आमोद प्रमोद।
काव्य कला में आनंदित हो, करते थे नित मनो विनोद॥
श्रेष्ठीराज सुदत्त सभा में, पहुँचे बालक को ले साथ।
नाम मनोहर था बालक का, पुस्तक लिए था अपने हाथ॥
राजा ने श्रेष्ठी से पूछा, बालक क्या पढ़ता है मित्र।
श्रेष्ठी ने खुश होकर बोला, नाममाला यह पढ़े पवित्र॥
जिसके लेखक विद्वतवर है, कवि धनंजय जिनका नाम।
पठन और पाठन ही रहता, जिनका अपना हरदम काम॥
महासुकवि को तभी बुलाया, राजा भोज ने अपने पास।
लेने को मंत्रीवर भेजा, राजा भोज ने अपना खास॥
कवि धनंजय सभा में आए, राजा ने कीन्हा सम्मान।
ईर्ष्या वश तब कालीदास ने, अज्ञानी कह किया बखान॥
हम विद्वानों की पुस्तक यह, इसका रहा मंजरी नाम।
यह अज्ञानी क्या लिख पाए, यह है विद्वानों का काम॥
इसका गुरु है मानतुंग जो, लोक लाज से भी है हीन।
कर लीजे शास्त्रार्थ बुलाकर, वह यदि होवे ज्ञान प्रवीण॥
मानतुंग मुनि को राजा ने, राज्य सभा में बुलवाया।
मुनिवर ने आदेश भूप का, सुनकर के भी ठुकराया॥

क्रोधित होकर के राजा ने, लाने का आदेश दिया।
मुनिवर को लेकर हाथों में, राज्य सभा में गमन किया॥
माना तब उपसर्ग गुरु ने, मौन का वह संकल्प किया।
राजा के प्रश्नों का गुरु ने, कोई उत्तर नहीं दिया॥
क्रोधित होकर के राजा ने, जंजीरों से बांध दिया।
अड़तालिस तालों के अंदर, पहरे देकर बंद किया॥
हृदय कमल पर आदि प्रभु का, गुरुवर ने तब ध्यान किया।
भक्ती में वह लीन हुए अरु, भक्तामर निर्माण किया॥
टूट गये जंजीरें ताले, मुनिवर बाहर बैठ गए।
बाहर बैठा देख सुमुनि को, लोगों में आश्चर्य भये॥
पुनः भूप ने क्रोधित होकर, मुनिवर जी को बंद किया।
टूटे ताले अरू जंजीरें, मुनिवर ने जब ध्यान किया॥
चमत्कार से हुआ प्रभावित, जैन धर्म स्वीकार किया।
राजा सहित सभी लोगों ने, मुनिवर का जयकार किया॥
जो भी शुद्ध मनोबल से, प्रभु आदिनाथ का ध्यान करें।
सभी सिद्धियों को पाकर वह, अपने सारे कष्ट हरें॥
मानतुंग मुनि का भक्तामर, अतिशय महिमाशाली है।
आदिनाथ के द्वारे से कोई, भक्त न जाता खाली है॥
भक्तामर के पढ़ने वाले, मन वांछित फल पाते हैं।
भाव सहित जो पूजा करते, उनके दुख मिट जाते हैं॥
मानतुंग सम आदि प्रभु के, हमको भी गुण गाना है।
मानतुंग बन 'विशद' भाव से, मुक्ति वधू को पाना है॥

दोहा– **भक्तामर का भाव से, करते हैं जो पाठ।**
पाते उच्चादर्श वह, होते ऊंचे ठाठ॥

ॐ ह्रीं धर्म प्रवर्तक मम् सर्व कर्म विनाशनाय आगत विघ्नभय निवारणाय श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय जयमाला पूर्णार्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

दोहा– **भक्तामर स्तोत्र की, महिमा अपरंपार।**
भक्ति में लवलीन हो, होवे भव से पार॥

(पुष्पांजली क्षिपेत्)

आरती भक्तामर की

गाएँ जी गाएँ भक्तामर की, आरती मंगल गाएँ।
घृत के दीप जलाकर प्रभु के, चरणों शीश झुकाएँ।
जिनवर के चरणों में नमन् प्रभुवर के चरणों में नमन्।
कृत युग के आदी में प्रभु जी, स्वर्ग से चयकर आए।
नाभिराय अरु मरुदेवी का, जीवन धन्चय बनाए॥
नगर अयोध्या जन्म लिए प्रभु, नर नारी हर्षाए।
घृत के दीप जलाकर प्रभु के, चरणों शीश झुकाएँ॥ १ ॥
जिनवर के चरणों में नमन्, प्रभुवर के चरणों में नमन्।
असि मसि कृषि वाणिज्य कला अरु, शिल्प का ज्ञान सिखाए।
नील परी की मृत्यु लखकर, प्रभु वैराग्य जगाए॥
विशद ज्ञान को पाए प्रभु जी, घाती कर्म नशाए।
घृत के दीप जलाकर प्रभु के, चरणों शीश झुकाएँ॥ २ ॥
जिनवर के चरणों में नमन्, प्रभुवर के चरणों में नमन्।
मानतुंग स्वामी के ऊपर, उपसर्ग भोज ने ढाया।
अड़तालीस तालों के अन्दर, मुनि को कैद कराया॥
टूट गई जंजीरें ताले, आदि प्रभु को ध्याए।
घृत के दीप जलाकर प्रभु के, चरणों शीश झुकाएँ॥ ३ ॥
जिनवर के चरणों में नमन्, प्रभुवर के चरणों में नमन्।
अतिशय देखा भोजराज ने, मुनि को शीश झुकाया।
जैन धर्म के जयकारों से, सारा गगन गुंजाया॥
आदिनाथ प्रभु का आराधन, भव से मुक्ति दिलाए।
घृत के दीप जलाकर प्रभु के, चरणों शीश झकाएँ॥ ४ ॥
जिनवर के चरणों में नमन्, प्रभुवर के चरणों में नमन्।
कोड़ा-कोड़ी वर्ष बाद भी, प्राणी तुमको ध्याते।
आदिनाथ जिन भक्तामर को, सादर शीश झुकाते॥
''विशद'' भक्ति की महिमा को यह, सारा ही जतग गाए।
घृत के दीप जलाकर प्रभु के, चरणों शीश झुकाएँ॥ ५ ॥
जिनवर के चरणों में नमन्, प्रभुवर के चरणों में नमन्।

श्री भक्तामर चालीसा

दोहा– भक्तामर स्तोत्र यह, आदिनाथ के नाम।
मानतुंग मुनि ने लिखा, करके चरण प्रणाम॥
सुख शांति सौभाग्य हो, पढ़ने से स्तोत्र।
बाधाएँ सब दूर हों, बहे धर्म का स्रोत॥

चौपाई

भक्तामर स्तोत्र निराला, सब कष्टों को हरने वाला।
आदिनाथ को मन से ध्याए, सच्चे मन से ध्यान लगाए॥
भक्ती के रस में खो जाए, पढ़ने वाला पुण्य कमाए।
मानतुंग की रचना प्यारी, कहलाए जो संकटहारी॥
पढ़े पढ़ाये पाठ कराये, प्राणी पुण्यवान हो जाए।
ग्रह क्लेश सारा नश जाए, मन में अनुपम शांती पाए॥
हरेक काव्य है महिमाशाली, भक्ती कभी न जाए खाली।
एक एक अक्षर मंत्र कहाये, पाठक सुख सम्पत्ति पाए॥
सदी ग्यारहवी जानो भाई, उज्जैनी नगरी सुखदायी।
जिसका प्रान्त मालवा गाया, विद्वानों का केन्द्र बताया॥
राजाभोज वहाँ का जानो, नौ मंत्री जिसके पहिचानो।
कालीदास प्रथम कहलाया, सेठ सुदत्त वहाँ जब आया॥
पुत्र मनोहर जिसका जानो, पुस्तक हाथ लिए था मानो।
राजा ने पूछा हे भाई, पुस्तक कौन सी तुमने पाई॥
नाम माला तब नाम बताए, लेखक कवि धनंजय गाए।
कवि को राजा ने बुलवाया, खुश होके सम्मान कराया॥
कृति नाम माला है प्यारी, राजा किए प्रशंसा भारी।
गुरु के आशिष से यह पाया, मानतुंग को गुरु बतलाया॥
कालीदास को नहीं सुहाया, कविवर को मूरख बतलाया।
शास्त्रार्थ कर ले तो जानें, हम इसकी महिमा पहिचानें॥
दूत मुनि के पास भिजाया, मुनिवर को संदेश सुनाया।
सभा बीच मुनिवर न आए, चार बार संदेश भिजाए॥

कालिदास को गुस्सा आया, उसने राजा को भड़काया।
क्रोध नृपति के मन में आया, सैनिक को आदेश सुनाया॥
बन्दी बना यहाँ पर लाओ, राजसभा में पेश कराओ।
दूत उठाकर मुनि को लाए, मुनि उपसर्ग मानकर आए॥
मौन धार लीन्हे तब स्वामी, जैन धर्म के शुभ अनुगामी।
मुनिवर को वह कैद कराए, अड़तालिस ताले लगवाए॥
नर नारी तब शोक मनाए, दुख के आँसू खूब बहाए।
मुनिवर मन में समता लाए, तीन दिनों का समय बिताए॥
आदिनाथ को मुनिवर ध्याये, भक्तामर स्तोत्र रचाये।
मुनि के तन में बंधने वाले, टूट गयीं जंजीरे ताले॥
आपों आप खुले सब द्वारे, द्वारपाल सब लगा के हारे।
पास में राजा के वह आए, जाकर सारा हाल सुनाए॥
राजा तभी वहाँ पर आया, मुनिवर को फिर कैद कराया।
मुनिवर जी फिर ध्यान लगाए, ताले फिर से टूटे पाए॥
राजा तब मन में घबराया, कालिदास को पास बुलाया।
कालिदास ने शक्ति लगाई, देवी कालिका भी प्रगटाई॥
देवी चक्रेश्वरी तब आई, देख कालिका तब घबराई।
महिमा जैन धर्म की गाई, सबने तब जयकार लगाई॥
जैन धर्म लोगों ने धारा, धर्म का है बश यही सहारा।
''विशद'' भक्ति की है बलिहारी, पुण्यवान होवे शुभकारी॥
भाव सहित भक्तामर गाएँ, मानतुंग सम भक्ति जगाएँ।
अतिशयकारी पुण्य कमाएँ, अनुक्रम से फिर मुक्ती पाएँ॥

(दोहा)

भक्तामर स्तोत्र से, भारी अतिशय होय।
नाना भाषा में रचा, पढ़े भाव से काये॥
आधि व्याधि नाशक कहा, चालीसा स्तोत्र।
मंत्रों से परिपूर्ण है, 'विशद' धर्म का स्रोत॥

ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं ऐम् अर्हं श्री वृषभनाथ तीर्थंकराय नमः